श्रमण संघ हो अविचल मंगल

शिव ध्यान धारा

वर्ष–4, अंक–4, नवम्बर 2017, मूल्य रु. 20/–

58वां जन्मोत्सव
(28 नवम्बर)

16वां दीक्षोत्सव
(28 नवम्बर)

15वां दीक्षोत्सव
(25 नवम्बर)

सौभाग्य-कुल-दिवाकर पूज्य प्रवर्तक श्री प्रकाश मुनि जी म.सा. 'निर्भय' की जन्म जयंती तथा शिव-शिष्य-द्वय श्री शमित मुनि जी म.सा. एवं श्री निशांत मुनि जी म.सा. की दीक्षा जयंती पर

मुनीश्वर-त्रय के चरणों में – शत-शत वंदन!
लक्ष-लक्ष नमन!! कोटि-कोटि अभिनंदन!!!

सिद्धत्व का संकल्प एवं साधना में प्रवेश की विधि

- अरिहंत आराधिका निशा जैन

1. समर्पण - अपना पूरा दिवस श्री सीमन्धर स्वामी भगवान के चरणों में समर्पित कर दो। जो कुछ भी आपने पूरे दिवस भर में किया। कराया, ध्यान किया, उसे भी समर्पित कर दो। किसी नियम का उल्लघंन किया, उसे भी समर्पित करके क्षमा याचना करलो।
2. दिवस का प्रतिक्रमण व क्षमापना - किसी को लेकर यदि भीतर से कोई प्रतिक्रिया हुई। मन से, वचन से, काया से भीतर में शिकायत का भाव आया। हमारे निमित्त से जो पंखे, बिजली आदि का प्रयोग हो रहा है। जल काय के जीवों की जहां-जहां विराधना हुई, हमारे निमित्त से जो भोजन बना। उसमें छः काय के जीवों का जहां कहीं घात हुआ और फिर उसे लेकर भीतर में प्रतिक्रिया हुई, साधना-स्थल तक आये, यहां तक पहुंचने में जितने भी जीवों का घात हुआ, सभी से क्षमा मांग लो।
3. यहां आचार्य भगवन्त के द्वारा जो आत्मबोध मिला, अगर उस पर शंका हुई। उसके लिए क्षमा याचना अन्तःकरण की साक्षी से। हमारे निमित्त से किसी साधक की साधना में यदि कहीं विघ्न आया, तब भी क्षमा मांगलो।
4. हमारे चलने, उठने, बैठने में, ध्यान के अन्तर्गत आसन आदि परिवर्तित करने में जहां कहीं अविवेक, अयतना के कारण किसी जीव का घात हो गया हो, तो उन सब से क्षमा मांग लो।
5. संकल्पः अवसर का उपयोग - बहुत मुश्किल से पुण्य का उदय हुआ कि आचार्य भगवन् के साथ बैठकर साधना करने का अवसर मिल रहा है। इस अवसर को खोना नहीं। चूकना नहीं। एक-एक श्वास का उपयोग करते हुए, मैं वीतराग पथ पर आगे बढ़ूं, ऐसा संकल्प करें।
6. साधना का उद्देश्य - यहां मात्र कर्म निर्जरा करने के उद्देश्य से आया हूं। अब भूलकर भी किसी नये कर्म के बन्धन में न बंधूं। यहां मैं अपनी जड़ काया की आसक्ति तोड़ने आया हूं। अब अनजाने में भी इस काया से राग न हो। बस वीतराग यात्रा बने।
7. संकल्प मुक्ति का - हर श्वास सार्थक हो, भीतर का शोध कार्य चलता रहे। ऐसा संकल्प लो। अनंत सिद्ध सिद्ध-शिला में विराजे हैं, वो भी कभी हमारी भांति छद्मस्थ थे। यदि उन्होंने संकल्प लिया और अपना संकल्प पूर्ण किया तो निश्चित हम भी संकल्प ले के उसे पूर्ण कर सकते हैं। यदि आज अनंत सिद्ध सिद्धशिला में विराजे हैं। बहुत-से जीव महाविदेह क्षेत्र में केवलज्ञान प्राप्त कर चुके हैं। कर रहे हैं। या करेगें। तो हम क्यों नहीं। जब संसार के किसी कार्य में आज तक पीछे नहीं रहे तो मुक्ति में हर श्वांस के साथ आगे बढने का संकल्प लें।
8. सिद्धत्वक ास कंल्प- अ ाजत कन मोि सद्धाणंज पतेर हे।अ बि सद्धह ोनाह ो।ि सद्धह ोनेक ेि लएि जतनेभ ी उपसर्ग-परीषह सहन करने पड़ें वो सब सहन करने के लिये अपने अन्तःकरण को तैयार करलें। एक एक कर्मक्षय करके अपनी अवगाहना को सिद्धशिला में अटल करेंगे। यही मेरा संकल्प है।
9. आलोचना - आज तक मैंने मुक्ति के अलावा जब-जब कोई संकल्प रखा हो उसकी भी मैं आलोचना करता हूं।

APPLE SILK MILLS PVT. LTD.
Manufacturers of:
EXCLUSIVE FANCY SAREES
TM. NO. 722412
Y-1185/86, Ground Floor, Surat Textile Market, Ring Road, Surat-395 002
Ph:2322278, 2367868, 6611588,6611577.
www.applefashion.in
info: sales@applefashion.in
Apple FASHION

श्रमण संघीय चतुर्थ पट्टधर
आचार्य सम्राट पूज्य
श्री शिवमुनिजी महाराज
के चरणों में शत शत वंदन

ASHOK - MANJU
PRACHI - SHETAL
& MEHTA FAMILY

Suchi INDUSTRIES LTD.

HOUSE OF WORLD CLASS EMBROIDERY

Corporate House :
SUCHI HOUSE
Near Kinnary Cinema, Ring Road,
SURAT-395 002. Gujrat (INDIA)
Ph.: +91-261-3201730, 2336968
Fax : +91-261-2313119
Website : www.suchifachion.com
E-mail : info@suchifachion.com

Factory :
Block No. 111, Kadodara Bardoli Road,
Village : Bagumara, Tal. Palsana
Dist. SURAT.
Tele. : 02622-324849

SHIV DHYAN DHARA, NOVEMBER - 2017

Postel Reg. No. : DL (N) 332/2015-2017
RNI No. DELBIL/2014/57576

।। श्री सीमंधर स्वामीने नमः ।।

आत्मज्ञानी सद्गुरु युगप्रधान

आचार्य सम्राट पूज्य श्री शिवमुनि जी म.सा. के

हीरक जन्म जयंती पर्व

पर आस्था पुरुष के चरणों में

कोटि–कोटि वन्दन–अभिनन्दन!

MAAN

Maan Aluminium Ltd.

ISO 9001-2008

Winner of Export Excellence Award

"**NIRYAT SHREE AWARD** by President of India"

Head Office :

4/51, 1st Floor, Asafali Road, New Delhi-110002

Contact : 011-40081800

E-mail : info@maanaluminium.in • Website : www.maanaluminium.com

Regards

Ravinder Nath Jain

Chairman and MD

Manufacturing

Plot No. 67/A, Sector No. 1,
Industrial Area, Pithampur,
Distt. Dhar (M.P.)

कोमल प्रकाशन, दिल्ली # मो.: 09210480385

स्वामी : अखिल भारतवर्षीय श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन श्रमण संघीय श्रावक समिति
एफ–3/20, रामाविहार, ओंकारधाम रोड, माजरी–करारा रोड़, दिल्ली–110081
मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक : श्री मुन्नालाल जैन, ए–3/120, सै. 5, रोहिणी, दिल्ली–110085,
मुद्रित : स्वास्तिक ऑफसेट एम–120, नवीन शाहदरा, दिल्ली–110032 द्वारा